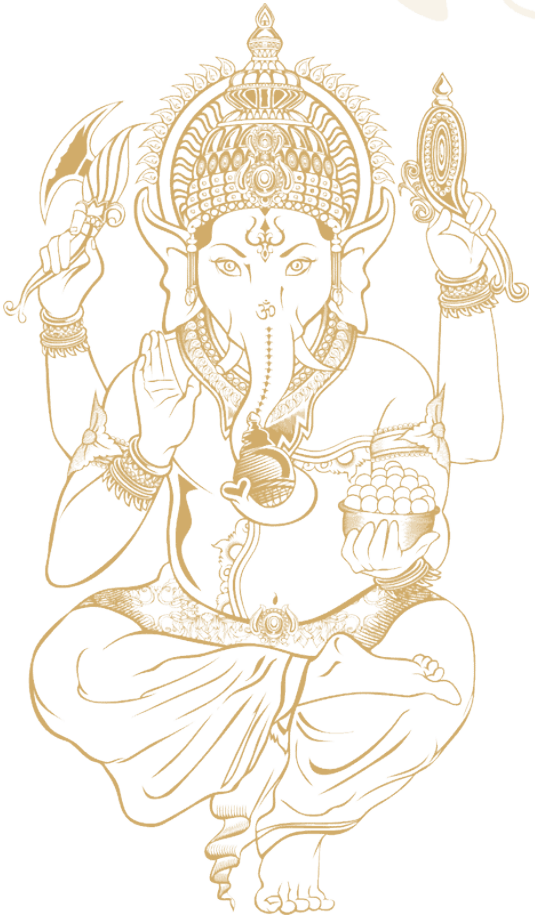

Raman

17 Jun 1998

12:55 AM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121575404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/06/1998**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:55:00 घंटे**
इष्ट	48:51:45 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:32:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:35 घंटे
साम्पातिक काल	18:12:18 घंटे
सूर्योदय	05:22:18 घंटे
सूर्यास्त	19:23:14 घंटे
दिनमान	14:00:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:36:25 मिथुन
लग्न के अंश	10:35:55 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सोमनाथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:35:55	519:37:03	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
सूर्य			मिथु	01:36:25	00:57:17	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			कुंभ	23:20:53	13:54:58	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	वृष	22:46:25	00:41:32	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	सम राशि
बुध		अ	मिथु	09:31:35	02:06:37	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	स्वराशि
गुरु			मीन	02:41:19	00:05:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	27:02:57	01:10:46	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			मेष	06:52:50	00:05:26	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु			सिंह	10:05:08	00:00:24	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	10:05:08	00:00:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:33:03	00:01:23	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:51:26	00:01:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:20:19	00:01:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			धनु	08:59:16	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:00

लग्न-चलित

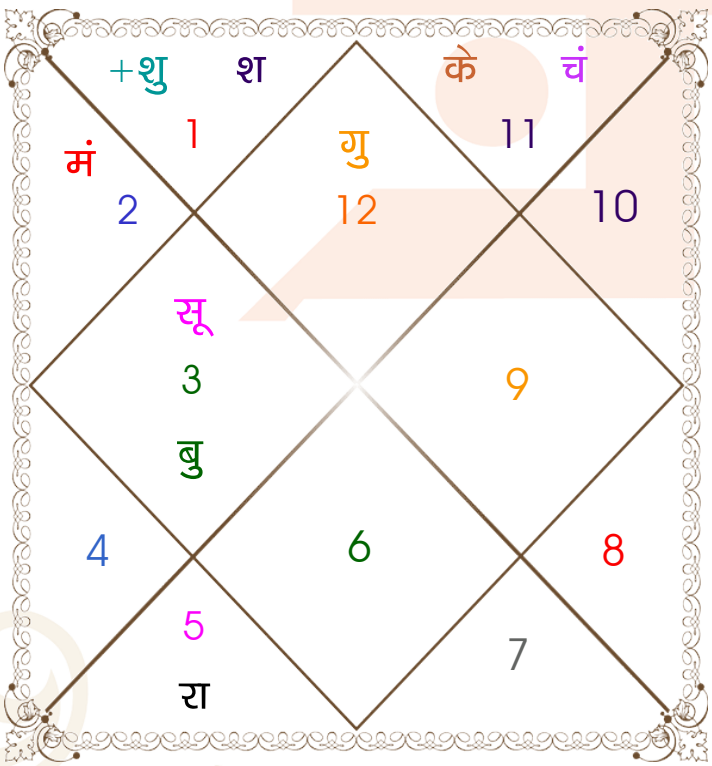

चन्द्र कुंडली

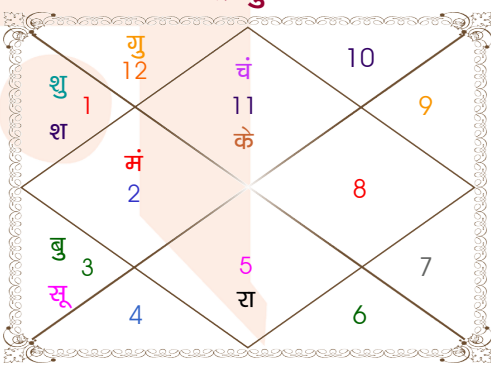

नवमांश कुंडली

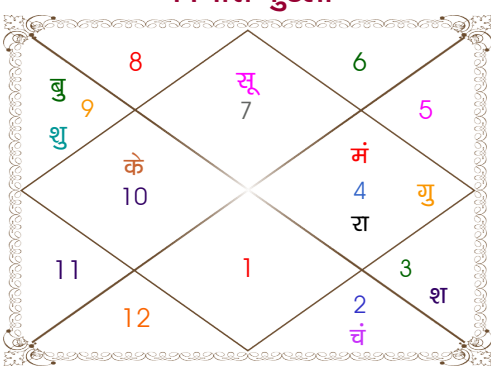

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 11 मास 24 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/06/1998		10/06/2010		10/06/2029		10/06/2046		10/06/2053	
10/06/2010		10/06/2029		10/06/2046		10/06/2053		10/06/2073	
	17/06/1998	शनि	13/06/2013	बुध	07/11/2031	केतु	06/11/2046	शुक्र	09/10/2056
शनि	09/02/1999	बुध	21/02/2016	केतु	03/11/2032	शुक्र	06/01/2048	सूर्य	10/10/2057
बुध	17/05/2001	केतु	01/04/2017	शुक्र	04/09/2035	सूर्य	13/05/2048	चंद्र	10/06/2059
केतु	22/04/2002	शुक्र	31/05/2020	सूर्य	10/07/2036	चंद्र	12/12/2048	मंगल	10/08/2060
शुक्र	21/12/2004	सूर्य	13/05/2021	चंद्र	10/12/2037	मंगल	10/05/2049	राहु	10/08/2063
सूर्य	10/10/2005	चंद्र	13/12/2022	मंगल	07/12/2038	राहु	29/05/2050	गुरु	10/04/2066
चंद्र	09/02/2007	मंगल	22/01/2024	राहु	25/06/2041	गुरु	05/05/2051	शनि	10/06/2069
मंगल	16/01/2008	राहु	28/11/2026	गुरु	01/10/2043	शनि	13/06/2052	बुध	10/04/2072
राहु	10/06/2010	गुरु	10/06/2029	शनि	10/06/2046	बुध	10/06/2053	केतु	10/06/2073

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/06/2073		10/06/2079		10/06/2089		10/06/2096		11/06/2114	
10/06/2079		10/06/2089		10/06/2096		11/06/2114		00/00/0000	
सूर्य	27/09/2073	चंद्र	10/04/2080	मंगल	06/11/2089	राहु	21/02/2099	गुरु	29/07/2116
चंद्र	29/03/2074	मंगल	09/11/2080	राहु	25/11/2090	गुरु	17/07/2101	शनि	18/06/2118
मंगल	04/08/2074	राहु	11/05/2082	गुरु	31/10/2091	शनि	23/05/2104		00/00/0000
राहु	29/06/2075	गुरु	10/09/2083	शनि	09/12/2092	बुध	11/12/2106		00/00/0000
गुरु	16/04/2076	शनि	10/04/2085	बुध	06/12/2093	केतु	29/12/2107		00/00/0000
शनि	29/03/2077	बुध	09/09/2086	केतु	05/05/2094	शुक्र	29/12/2110		00/00/0000
बुध	02/02/2078	केतु	11/04/2087	शुक्र	05/07/2095	सूर्य	23/11/2111		00/00/0000
केतु	10/06/2078	शुक्र	09/12/2088	सूर्य	10/11/2095	चंद्र	24/05/2113		00/00/0000
शुक्र	10/06/2079	सूर्य	10/06/2089	चंद्र	10/06/2096	मंगल	11/06/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।